अधिकतम तापमान 34.00° >> न्यूनतम तापमान 27.00° >> सूर्योदय 5:13 >> सूर्यास्त 19:02 >> डॉलर 81.92 >> यूरो 89

दैनिक भास्कर

देश का विश्वसनीय अखबार

लखनऊ | वर्ष-07, अंक-262 | मंगलवार 27 जून 2023 | कुल पृष्ठ 14 | मूल्य 3.00 रुपये

फसल बुवाई के पूर्व किसान करें बीज गुणवत्ता की जांच

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनन्द कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रोफेसर डॉ. ए. एल. जाटव ने किसान भाइयों को बताया कि खरीफ फसलों की बुवाई का समय आ गया है। ऐसे में किसान भाई यदि अपने घर का बीज बो रहे हैं तो बुवाई से पूर्व बीजों का अंकुरण परीक्षण अवश्य करा लें। डॉक्टर जाटव ने बताया कि किसान भाइयों को कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए हमेशा उत्तम गुणों वाले बीजों का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीजों से ही केवल 20% उत्पादकता उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है डॉ. ए. एल. जाटव ने बताया कि उस बीज को उत्तम कोटि का बीज माना जाता है। जिनमें अनुवांशिक शुद्धता शत प्रतिशत हो अन्य फसल एवं खरपतवार के बीजों से रहित हो रोग एवं कीट प्रभाव से मुक्त हो। उनमें अंकुरण क्षमता उच्च कोटि की हो उन्होंने कहा कि अच्छे उत्पादन के लिए किसानों को बुवाई से पूर्व बीज अंकुरण परीक्षण करा लेना चाहिए। बीज अंकुरण परीक्षण में यदि 80 से 90 फ़ीसदी बीजों का अंकुरण है तो अच्छा है 70 फ़ीसदी अंकुरण की स्थिति में बीज दर बढ़ाई जाती है। किसान चाहें तो प्रयोगशाला में बीज अंकुरण क्षमता जांच करा सकते हैं डॉक्टर जाटव ने बताया कि किसान भाई बीज अंकुरण परीक्षण घर पर भी कर सकते हैं। इसके लिए उन्होंने कहा कि प्रथम विधि सूती कपड़ा विधि है इस विधि में 100 बीजों को सूती कपड़े या जूट की बोरी में दूर दूर रखें कपड़े या बोरी को गीला कर ढककर अंधेरे में रखें। 5 दिन बाद उगे बीजों की संख्या गिन कर प्रतिशत निकाल ले।

सूचकांक
62,970.00
-9.37

मंगलवार
कानपुर, 27 जून 2023
वर्ष 66 अंक 176
आर.एन.आई. नं. 6984/58
रजि. मिस-2/CPM/03/KPHO/2013-14
मूल्य 2 रूपया पृष्ठ 8

हिन्दी का सर्वश्रेष्ठ आर्थिक दैनिक

व्यापारसंदेश

e-paper: www.vyaparsandesh.com

फसल बुवाई के पूर्व करें बीज गुणवत्ता जाच : डा. ए.एल. जाटव

कानपुर, 26 जून (निस)। सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनन्द कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रोफेसर डॉ. ए. एल. जाटव ने किसान भाइयों को बताया कि खरीफ फसलों की बुवाई का समय आ गया है। ऐसे में किसान भाई यदि अपने घर का बीज बो रहे हैं तो बुवाई से पूर्व बीजों का अंकुरण परीक्षण अवश्य करा लें। डॉक्टर जाटव ने बताया कि किसान भाइयों को कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए हमेशा उत्तम गुणों वाले बीजों का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीजों से ही केवल 20त्न उत्पादकता उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है डॉ. ए. एल. जाटव ने बताया कि उस बीज को उत्तम कोटि का बीज माना जाता है। जिनमें अनुवांशिक शुद्धता शत प्रतिशत हो अन्य फसल एवं खरपतवार के बीजों से रहित हो रोग एवं कीट प्रभाव से मुक्त हो। उनमें अंकुरण क्षमता उच्च कोटि की हो उन्होंने कहा कि अच्छे उत्पादन के लिए किसानों को बुवाई से पूर्व बीज अंकुरण परीक्षण करा लेना चाहिए। बीज अंकुरण परीक्षण में यदि 80 से 90 फ़ीसदी बीजों का अंकुरण है तो अच्छा है 70 फ़ीसदी अंकुरण की स्थिति में बीज दर बढ़ाई जाती है। किसान चाहें तो प्रयोगशाला में बीज अंकुरण क्षमता जांच करा सकते हैं डॉक्टर जाटव ने बताया कि किसान भाई बीज अंकुरण परीक्षण घर पर भी कर सकते हैं। इसके लिए उन्होंने कहा कि प्रथम विधि सूती कपड़ा विधि है इस विधि में 100 बीजों को सूती कपड़े या जूट की बोरी में दूर दूर रखें कपड़े या बोरी को गीला कर ढककर अंधेरे में रखें। 5 दिन बाद उगे बीजों की संख्या गिन कर प्रतिशत निकाल ले।

दूसरी विधि में उन्होंने बताया कि अखबार के पृष्ठ को एन आकृति में चार समान हिस्सों में मोड़ ले बीजों को कतार में बिछा लें मुड़े हुए पेपर के दोनों छोरों को धागे से बांध दें पेपर को गीला कर पॉलिथीन में रखें और उसका मुंह बांधे चार-पांच दिन बाद अंकुरण स्थिति देख प्रतिशत निकालन ले। डॉक्टर जाटव ने बताया कि जब जमाव अच्छा होगा तो उत्पादन और उत्पादकता में बढ़ोतरी होगी।

ट्रक में टकराने से स्कूटी सवार युवक की हुई मौत, भाई घायल

कानपुर। कानपुर-सागर हाईवे पर

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • मंगलवार • 27 जून • 2023

]आई से पूर्व बीज गुणवत्ता की कराएं जांच'

ुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर ज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के र डॉ.एएल. जाटव ने किसानों को दी कि खरीफ फसलों की वुवाई का आ गया है। ऐसे में किसान यदि अपने ा वीज वो रहे हैं तो वुवाई से पूर्व वीजों ंकुरण परीक्षण अवश्य करा लें। : जाटव ने वताया कि किसानों को कृषि कता वढ़ाने के लिए हमेशा उत्तम गुणों ीजों का प्रयोग करना चाहिए।

किसानों को सलाह देते हुए उन्होंने कहा च्च गुणवत्ता के प्रमाणित वीजों से न में 20 प्रतिशत वृद्धि की जा सकती .एएल जाटव ने वताया कि उस वीज ाम कोटि का वीज माना जाता है, जिनमें शिक शुद्धता शत प्रतिशत हो और वह फसल एवं खरपतवार के वीजों से हो, रोग एवं कीट प्रभाव से मुक्त हो उनमें अंकुरण क्षमता उच्च कोटि की होंने कहा कि अच्छे उत्पादन के लिए ों को वुवाई से पूर्व वीज अंकुरण ा करा लेना चाहिए।

ीज अंकुरण परीक्षण में यदि 80 से सदी वीजों का अंकुरण है तो अच्छा) फीसदी अंकुरण की स्थिति में वीज ढ़ाई जाती है। किसान चाहें तो ाला में वीज अंकुरण क्षमता जांच करा

सीएसए कृषि विवि के खेत में अंकुरित बीज के नमूने। फोटो : एसएनवी

सीएसए कृषि विवि ने जारी की एडवाइजरी

घर का बीज बोने से पहले करा लें अंकुरण का परीक्षण

सकते हैं। उन्होंने वताया कि किसान वीज अंकुरण परीक्षण घर पर भी कर सकते हैं। इसके लिए प्रथम विधि सूती कपड़ा विधि है, इस विधि में 100 वीजों को सूती कपड़े या जूट की वोरी में दूर दूर रखें, कपड़े या वोरी को गीला कर ढककर अंधेरे में रखें।

5 दिन वाद उगे वीजों की संख्या गिन कर प्रतिशत निकाल लें। दूसरी विधि में उन्होंने वताया कि अखवार के पृष्ठ को एन आकृति में चार समान हिस्सों में मोड़ लें वीजों को कतार में विछा लें, मुड़े हुए पेपर के दोनों छोरों को धागे से वांध दें, पेपर को गीला कर पॉलिथीन में रखें और उसका मुंह वांधे चार-पांच दिन वाद अंकुरण स्थिति देख प्रतिशत निकाल लें। श्री जाटव ने वताया कि जव जमाव अच्छा होगा तो उत्पादन और उत्पादकता में वढ़ोतरी होगी।

WORLD खबर EXPRESS

WORLD

सोमवार

26 जून, 2023

अंक - 418

खबर एक्सप्रेस

कानपुरः फसल बुवाई के पूर्व करें बीज गुणवत्ता जांचः डॉक्टर ए.एल. जाटव

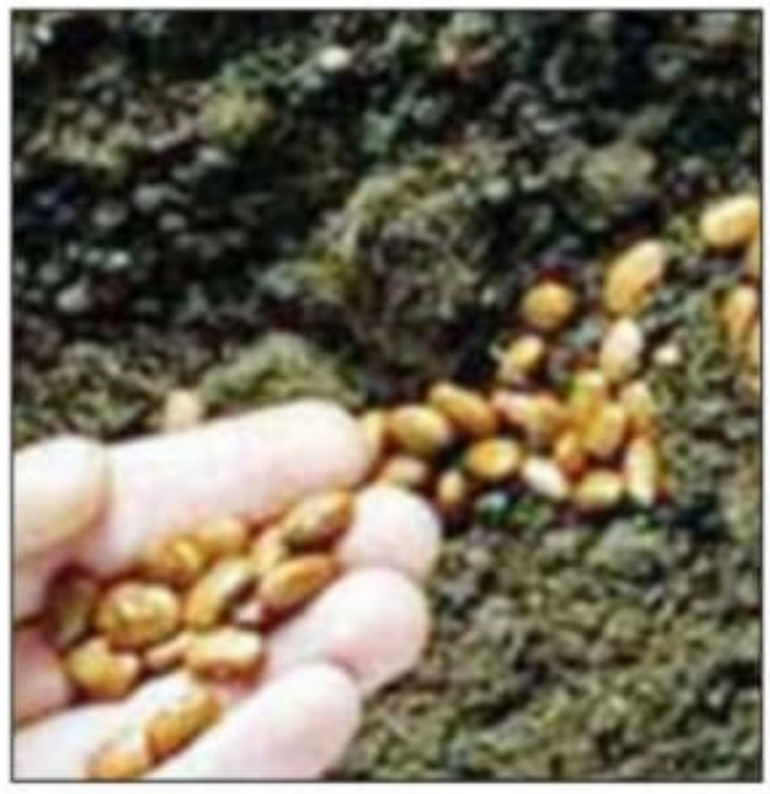

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनन्द कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में आज बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रोफेसर डॉ. ए. एल. जाटव ने किसान भाइयों को बताया कि खरीफ फसलों की बुवाई का समय आ गया है। ऐसे में किसान भाई यदि अपने घर का बीज बो रहे हैं तो बुवाई से पूर्व बीजों का अंकुरण परीक्षण अवश्य करा लें। डॉक्टर जाटव ने बताया कि किसान भाइयों को कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए हमेशा उत्तम गुणों वाले बीजों का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीजों से ही केवल 20 प्रतिशत उत्पादकता उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है डॉ. ए. एल. जाटव ने बताया कि उस बीज को उत्तम कोटि का बीज माना जाता है। जिनमें अनुवांशिक शुद्धता शत प्रतिशत हो अन्य फसल एवं खरपतवार के बीजों से रहित हो रोग एवं कीट प्रभाव से मुक्त हो। उनमें अंकुरण क्षमता उच्च कोटि की हो उन्होंने कहा कि अच्छे उत्पादन के लिए किसानों को बुवाई से पूर्व बीज अंकुरण परीक्षण करा लेना चाहिए। बीज अंकुरण परीक्षण में यदि 80 से 90 फ़ीसदी बीजों का अंकुरण है तो अच्छा है 70 फ़ीसदी अंकुरण की स्थिति में बीज दर बढ़ाई जाती है। किसान चाहें तो प्रयोगशाला में बीज अंकुरण क्षमता जांच करा सकते हैं डॉक्टर जाटव ने बताया कि किसान भाई बीज अंकुरण परीक्षण घर पर भी कर सकते हैं। इसके लिए उन्होंने कहा कि प्रथम विधि सूती कपड़ा विधि है इस विधि में 100 बीजों को सूती कपड़े या जूट की बोरी में दूर दूर रखें कपड़े या बोरी को गीला कर ढककर अंधेरे में रखें। 5 दिन बाद उगे बीजों की संख्या गिन कर प्रतिशत निकाल ले। दूसरी विधि में उन्होंने बताया कि अखबार के पृष्ठ को एन आकृति में चार समान हिस्सों में मोड़ ले बीजों को कतार में बिछा लें मुड़े हुए पेपर के दोनों छोरों को धागे से बांध दें पेपर को गीला कर पॉलिथीन में रखें और उसका मुंह बांधे चार-पांच दिन बाद अंकुरण स्थिति देख प्रतिशत निकालन ले। डॉक्टर जाटव ने बताया कि जब जमाव अच्छा होगा तो उत्पादन और उत्पादकता में बढ़ोतरी होगी।

हिन्दी दैनिक

समाज का साथी

कानपुर नगर से प्रकाशित

अंक: 303 | कानपुर मंगलवार, 27 जून 2023 | पृष्ठ -8

फसल बुवाई के पूर्व करें बीज गुणवत्ता जांच : डॉ. ए.एल. जाटव

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनन्द कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रोफेसर डॉ. ए. एल. जाटव ने किसान भाइयों को बताया कि खरीफ फसलों की बुवाई का समय आ गया है। ऐसे में किसान भाई यदि अपने घर का बीज बो रहे हैं तो बुवाई से पूर्व बीजों का अंकुरण परीक्षण अवश्य करा लें। डॉक्टर जाटव ने बताया कि किसान भाइयों को कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए हमेशा उत्तम गुणों वाले बीजों का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीजों से ही केवल 20त्न उत्पादकता उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है डॉ. ए. एल. जाटव ने बताया कि उस बीज को उत्तम कोटि का बीज माना जाता है।जिनमें अनुवांशिक शुद्धता शत प्रतिशत हो अन्य फसल एवं खरपतवार के बीजों से रहित हो रोग एवं कीट प्रभाव से मुक्त हो। उनमें अंकुरण क्षमता उच्च कोटि की हो उन्होंने कहा कि अच्छे उत्पादन के लिए किसानों को बुवाई से पूर्व बीज अंकुरण परीक्षण करा लेना चाहिए। बीज अंकुरण परीक्षण में यदि 80 से 90 फ़ीसदी बीजों का अंकुरण है तो अच्छा है 70 फ़ीसदी अंकुरण की स्थिति में बीज दर बढ़ाई जाती है। किसान चाहें तो प्रयोगशाला में बीज अंकुरण क्षमता जांच करा सकते हैं डॉक्टर जाटव ने बताया कि किसान भाई बीज अंकुरण परीक्षण घर पर भी कर सकते हैं। इसके लिए उन्होंने कहा कि प्रथम विधि सूती कपड़ा विधि है इस विधि में 100 बीजों को सूती कपड़े या जूट की बोरी में दूर दूर रखें कपड़े या बोरी को गीला कर ढककर अंधेरे में रखें। 5 दिन बाद उगे बीजों की संख्या गिन कर प्रतिशत निकाल ले। दूसरी विधि में उन्होंने बताया कि अखबार के पृष्ठ को एन आकृति में चार समान हिस्सों में मोड़ ले बीजों को कतार में बिछा लें मुड़े हुए पेपर के दोनों छोरों को धागे से बांध दें पेपर को गीला कर पॉलिथीन में रखें और उसका मुंह बांधे चार-पांच दिन बाद अंकुरण स्थिति देख प्रतिशत निकालन ले। डॉक्टर जाटव ने बताया कि जब जमाव अच्छा होगा तो उत्पादन और उत्पादकता में बढ़ोतरी होगी।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:14 | अंक:106 | देहरादून, सोमवार, 26 जून, 2023 | पृष्ठ:08

फसल बुवाई के पूर्व करें बीज गुणवत्ता जांच

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनन्द कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में आज बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रोफेसर डॉ. ए. एल. जाटव ने किसान भाइयों को बताया कि खरीफ फसलों की बुवाई का समय आ गया है। ऐसे में किसान भाई यदि अपने घर का बीज बो रहे हैं तो बुवाई से पूर्व बीजों का अंकुरण परीक्षण अवश्य करा लें। डॉक्टर जाटव ने बताया कि किसान भाइयों को कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए हमेशा उत्तम गुणों वाले बीजों का प्रयोग करना चाहिए उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीजों से ही केवल 20: उत्पादकता उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है डॉ. ए. एल. जाटव ने बताया

कि उस बीज को उत्तम कोटि का बीज माना जाता है। जिनमें अनुवांशिक शुद्धता शत प्रतिशत हो अन्य फसल एवं खरपतवार के बीजों से रहित हो रोग एवं कीट प्रभाव से मुक्त हो उनमें अंकुरण क्षमता उच्च कोटि की हो उन्होंने कहा कि अच्छे उत्पादन के लिए किसानों को बुवाई से पूर्व बीज अंकुरण परीक्षण करा लेना चाहिए बीज अंकुरण परीक्षण में यदि 80 से 90 फीसदी बीजों का अंकुरण है तो अच्छा है 70 फीसदी अंकुरण की स्थिति में बीज दर बढ़ाई जाती है किसान चाहें तो प्रयोगशाला में बीज अंकुरण क्षमता जांच करा सकते हैं डॉक्टर जाटव ने बताया कि किसान भाई बीज अंकुरण परीक्षण घर पर भी कर सकते हैं इसके लिए उन्होंने कहा कि प्रथम विधि सूती कपड़ा विधि है इस विधि में 100 बीजों को सूती कपड़े या जूट की बोरी में दूर दूर रखें कपड़े या बोरी को गीला कर ढककर अंधेरे में रखें 5 दिन बाद उगे बीजों की संख्या गिन कर प्रतिशत निकाल ले दूसरी विधि में उन्होंने बताया कि अखबार के पृष्ठ को एन आकृति में चार समान हिस्सों में मोड़ ले बीजों को कतार में बिछा लें मुड़े हुए पेपर के दोनों छोरों को धागे से बांध दें पेपर को गीला कर पॉलिथीन में रखें और उसका मुंह बांधे चार–पांच दिन बाद अंकुरण स्थिति देख प्रतिशत निकालन ले डॉक्टर जाटव ने बताया कि जब जमाव अच्छा होगा तो उत्पादन और उत्पादकता में बढ़ोतरी होगी।

फसल बुवाई के पूर्व करें बीज गुणवत्ता जांचः डॉक्टर ए.एल. जाटव

(अनवर अशरफ)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनन्द कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में आज बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रोफेसर डॉ. ए. एल. जाटव ने किसान भाइयों को बताया कि खरीफ फसलों की बुवाई का समय आ गया है। ऐसे में किसान भाई यदि अपने घर का बीज बो रहे हैं तो बुवाई से पूर्व बीजों का अंकुरण परीक्षण अवश्य करा लें। डॉक्टर जाटव ने बताया कि किसान भाइयों को कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए हमेशा उत्तम गुणों वाले बीजों का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीजों से ही केवल 20ः उत्पादकता उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है डॉ. ए. एल. जाटव ने बताया कि उस बीज को उत्तम कोटि का बीज माना जाता है। जिनमें अनुवांशिक शुद्धता शत प्रतिशत हो अन्य फसल एवं खरपतवार के बीजों से रहित हो रोग एवं कीट प्रभाव से मुक्त हो। उनमें अंकुरण क्षमता उच्च कोटि की हो उन्होंने कहा कि अच्छे उत्पादन के लिए किसानों को बुवाई से पूर्व बीज अंकुरण परीक्षण करा लेना चाहिए। बीज अंकुरण परीक्षण में यदि 80 से 90 फीसदी बीजों का अंकुरण है तो अच्छा है 70 फीसदी अंकुरण की स्थिति में बीज दर बढ़ाई जाती है। किसान चाहें तो प्रयोगशाला में बीज अंकुरण क्षमता जांच करा सकते हैं डॉक्टर जाटव ने बताया कि किसान भाई बीज अंकुरण परीक्षण घर पर भी कर सकते हैं। इसके लिए उन्होंने कहा कि प्रथम विधि सूती कपड़ा विधि है इस विधि में 100 बीजों को सूती कपड़े या जूट की बोरी में दूर दूर रखें कपड़े या बोरी को गीला कर ढककर अंधेरे में रखें। 5 दिन बाद उगे बीजों की संख्या गिन कर प्रतिशत निकाल ले। दूसरी विधि में उन्होंने बताया कि अखबार के पृष्ठ को एन आकृति में चार समान हिस्सों में मोड़ ले बीजों को कतार में बिछा लें मुड़े हुए पेपर के दोनों छोरों को धागे से बांध दें पेपर को गीला कर पॉलिथीन में रखें और उसका मुंह बांधे चार–पांच दिन बाद अंकुरण स्थिति देख प्रतिशत निकालन ले। डॉक्टर जाटव ने बताया कि जब जमाव अच्छा होगा तो उत्पादन और उत्पादकता में बढ़ोतरी होगी।

Sign in to edit and save changes to this file.

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

वर्ष: 8, अंक : 32 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, मंगलवार
27 जून, 2023
मूल्य ₹ 3.00

www.shashwattimes.com

फसल बुवाई के पूर्व करें बीज गुणवत्ता जांचः डॉक्टर ए.एल. जाटव

शाश्वत टाइम्स कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनन्द कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में आज बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रोफेसर डॉ. ए. एल. जाटव ने किसान भाइयों को बताया कि खरीफ फसलों की बुवाई का समय आ गया है। ऐसे में किसान भाई यदि अपने घर का बीज बो रहे हैं तो बुवाई से पूर्व बीजों का अंकुरण परीक्षण अवश्य करा लें। डॉक्टर जाटव ने बताया कि किसान भाइयों को कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए हमेशा उत्तम गुणों वाले बीजों का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीजों से ही केवल 20त्न उत्पादकता उत्पादन में वृद्धि की जा

सकती है डॉ. ए. एल. जाटव ने बताया कि उस बीज को उत्तम कोटि का बीज माना जाता है। जिनमें अनुवांशिक शुद्धता शत प्रतिशत हो अन्य फसल एवं खरपतवार के बीजों से रहित हो रोग एवं कीट प्रभाव से मुक्त हो। उनमें अंकुरण क्षमता उच्च कोटि की हो उन्होंने कहा कि अच्छे उत्पादन के लिए किसानों को बुवाई से पूर्व बीज

अंकुरण परीक्षण करा लेना चाहिए। बीज अंकुरण परीक्षण में यदि 80 से 90 फ़ीसदी बीजों का अंकुरण है तो अच्छा है 70 फ़ीसदी अंकुरण की स्थिति में बीज दर बढ़ाई जाती है। किसान चाहें तो प्रयोगशाला में बीज अंकुरण क्षमता जांच करा सकते हैं डॉक्टर जाटव ने बताया कि किसान भाई बीज अंकुरण परीक्षण घर पर भी कर सकते हैं। इसके लिए उन्होंने कहा कि प्रथम विधि सूती कपड़ा विधि है इस विधि में 100 बीजों को सूती कपड़े या जूट की बोरी में दूर दूर रखें कपड़े या बोरी को गीला कर ढककर अंधेरे में रखें। 5 दिन बाद उगे बीजों की संख्या गिन कर प्रतिशत निकाल ले। दूसरी विधि में उन्होंने बताया कि अखबार के पृष्ठ को एन आकृति में चार समान हिस्सों में मोड़ ले बीजों को कतार में बिछा लें मुड़े हुए पेपर के दोनों छोरों को धागे से बांध दें पेपर को गीला कर पॉलिथीन में रखें और उसका मुंह बांधे चार-पांच दिन बाद अंकुरण स्थिति देख प्रतिशत निकालन ले। डॉक्टर जाटव ने बताया कि जब जमाव अच्छा होगा तो उत्पादन और उत्पादकता में बढ़ोतरी होगी।

वर्ष-17 अंक-173 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, मंगलवार 27 जून 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित

दैनिक

RNI N.UPHIN/2007/27090

नगर छाया

आप की आवाज़.....

फसल बुवाई के पूर्व करें बीज गुणवत्ता की जांच : डॉ. ए.एल. जाटव

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनन्द कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में आज बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रोफेसर डॉ. ए. एल. जाटव ने किसान भाइयों को बताया कि खरीफ फसलों की बुवाई का समय आ गया है। ऐसे में किसान भाई यदि अपने घर का बीज बो रहे हैं तो बुवाई से पूर्व बीजों का अंकुरण परीक्षण अवश्य करा लें। डॉक्टर जाटव ने बताया कि किसान भाइयों को कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए हमेशा उत्तम गुणों वाले बीजों का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीजों से ही केवल 20त्न उत्पादकता उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है डॉ. ए. एल. जाटव ने बताया कि उस बीज को उत्तम कोटि का बीज माना जाता है। जिनमें अनुवांशिक शुद्धता शत प्रतिशत हो अन्य फसल एवं खरपतवार के बीजों से रहित हो रोग एवं कीट प्रभाव से मुक्त हो। उनमें अंकुरण क्षमता उच्च कोटि की हो उन्होंने कहा कि अच्छे उत्पादन के लिए किसानों को बुवाई से पूर्व बीज अंकुरण परीक्षण करा लेना चाहिए। बीज अंकुरण परीक्षण में यदि 80 से 90 फ़ीसदी बीजों का अंकुरण है तो अच्छा है 70 फ़ीसदी अंकुरण की स्थिति में बीज दर बढ़ाई जाती है। किसान चाहें तो प्रयोगशाला में बीज अंकुरण क्षमता जांच करा सकते हैं डॉक्टर जाटव ने बताया कि किसान भाई बीज अंकुरण परीक्षण घर पर भी कर सकते हैं। इसके लिए उन्होंने कहा कि प्रथम विधि सूती कपड़ा विधि है इस विधि में 100 बीजों को सूती कपड़े या जूट की बोरी में दूर दूर रखें कपड़े या बोरी को गीला कर ढककर अंधेरे में रखें। 5 दिन बाद उगे बीजों की संख्या गिन कर प्रतिशत निकाल ले। दूसरी विधि में उन्होंने बताया कि अखबार के पृष्ठ को एन आकृति में चार समान हिस्सों में मोड़ ले बीजों को कतार में बिछा लें मुड़े हुए पेपर के दोनों छोरों को धागे से बांध दें पेपर को गीला कर पॉलिथीन में रखें और उसका मुंह बांधे चार-पांच दिन बाद अंकुरण स्थिति देख प्रतिशत निकालन ले। डॉक्टर जाटव ने बताया कि जब जमाव अच्छा होगा तो उत्पादन और उत्पादकता में बढ़ोतरी होगी।